संगीत वादन–प्रशिक्षित स्नातक (माध्यमिक शिक्षा)
(विषय कोड–13)

अवनद्ध

1. **पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या :–**

   ताली, खाली, आवर्तन, विभाग, तिहाई, पेशकारा, कायदा, गत. टुकड़ा, मुखड़ा, परन, रेला, स्वर, श्रुति, सप्तक, थाट, संगीत, ताल, लय, ठेका, मात्रा, सम।

2. संगीत का इतिहास ।
3. तीनताल, झपताल, एकताल, आड़ाचारताल, पंचमसवारी, रूपक, चारताल, सूलताल, तीवरा, धमार, गजझम्पा, लक्ष्मी, शिखर, दीपचन्दी, जत, तिलवाड़ा, झूमरा, कहरवा एवं दादरा, इन तालों का परिचय, ठेका, दुगुन, तिगुन, चौगुन तथा आड़ (3/2) की लयकारी में तालिपिबद्ध करने क्षमता।
4. दिए गए बोलों के आधार पर तालों को पहचानने की क्षमता।
5. वाद्य एवं उनका वर्गीकरण।
6. अपने वाद्य के जन्म एवं विकास का विस्तृत अध्ययन।
7. वाद्य को मिलाने की विधि का ज्ञान।
8. अपने वाद्य के सभी घरानों एवं उनकी वादन शैली की विशेषताओं का अध्ययन।
9. भातखण्डे एवं विष्णुदिगम्बर पलुस्कर तालिपि पद्धति का विस्तृत अध्ययन।
10. अपने वाद्य के अंगों का विस्तृत अध्ययन।
11. कायदा, पेशकारा, टुकड़ा, परन, तिहाई, आदि बोलों को तालिपि में लिखने का ज्ञान।
12. पं० भैरव सहाय, नाना साहब पानसे, पं० कण्ठे महाराज, उ० अल्लारखा खा, पं0 सामता प्रसाद का जीवन परिचय तथा संगीत में योगदान।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग

23 एलनगंज, प्रयागराज–211002

Syllabus :- Music Instrumental – Trained Graduate (Secondary Education)

(Subject code) - 13

Percussion

1. Definition of Technical Terms:

   Tali, Khali, Avartan, Vibhag, Tihai, Peshkar, Kayda, Gat, Tukda, Mukhda, Paran, Rela, Swar, Shruti, Saptak, Thaat, Sangeet, Taal, Laya, Theka, Matra, Sam.

2. History of Music.
3. Teentaal, Jhaptal, Ektal, Ada Chautal, Pancham Sawari, Rupak, Chartal, Sooltal, Teevra, Dhamar, Gaj Jhampa, Lakshmi, Shikhar, Deepchandi, Jat, Tilwada, Jhoomra, Keharwa, and Dadra. Introduction, Theka, Dugun, Tigun, Chaugun, and writing them in notation in Aad (3/2) layakari.
4. Ability to identify Taals on the basis of given Bols.
5. Instruments and their classification.
6. Detailed study of the origin and development of one's instrument.
7. Knowledge of the method of tuning the instrument.
8. Study of all Gharanas of one's instrument and the characteristics of their playing styles.
9. Detailed study of the notation systems of Bhatkhande and Vishnu Digambar Paluskar.
10. Detailed study of the parts of one's instrument.
11. Knowledge of writing Kayda, Peshkar, Tukda, Paran, Tihai, etc. in notation.
12. Life sketch and contribution to music of: Pandit Bhairav Sahai, Nana Saheb Panse, Pandit Kante Maharaj, Ustad Alla Rakha, Pandit Samta Prasad